भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1747**
जिसका उत्तर 05.12.2024 को दिया जाना है
**राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के सीकर बाइपास को चार लेन का बनाना**

1747. श्री अमरा राम:
क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के सीकर बाइपास, आगरा, जयपुर, सीकर, बीकानेर और लक्ष्मणगढ़ से बीकानेर खंड को चार लेन का बनाने और सीकर बाइपास क्रासिंग पर उपरिपुल बनाने के प्रस्ताव को कब तक स्वीकृति मिलने की संभावना है; और
(ख) क्या उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर बावड़ी बस स्टैंड पर उपरिपुल बनाने की आवश्यकता है क्योंकि उक्त स्थान पर पिछले पांच वर्षों के दौरान 27 लोगों की मौत हो चुकी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) आगरा और जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) एनएच-21 से जुड़ा हुआ है, जयपुर- सीकर - लक्ष्मणगढ़ - फतेहपुर एनएच-52 से जुड़ा हुआ है, और फतेहपुर से बीकानेर एनएच-11 से जुड़ा हुआ है। एनएच-52/एनएच-11 का सीकर - लक्ष्मणगढ़ - फतेहपुर -बीकानेर खंड वर्तमान में बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) (टोल) रियायत के अंतर्गत है, जिसकी रियायत अवधि 2038 तक है।

राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न कार्य (जिनमें चौड़ीकरण, ओवर ब्रिज का निर्माण आदि शामिल हैं) यातायात घनत्व, संपर्कता की आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के आधार पर किए जाते हैं। सीकर बाईपास को चार लेन का बनाने के साथ-साथ ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण, तथा एनएच-52 के लक्ष्मणगढ़ से फतेहपुर खंड को चार लेन का बनाने का प्रस्ताव डीपीआर तैयारी चरण में है। एनएच-11 के फतेहपुर से बीकानेर खंड को 2038 तक रियायत अवधि के साथ बीओटी (टोल) के तहत पेव्ड शोल्डर के साथ दो लेन के एनएच मानकों पर विकसित किया गया है। यातायात घनत्व को देखते हुए एनएच-11 के इस खंड को और अधिक चौड़ा करने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) इस स्थान की पहचान ब्लैक स्पॉट के रूप में की गई है; स्थान विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर अल्पकालिक उपाय लागू किए गए हैं। एनएचएआई ने ब्लैक स्पॉट के स्थायी सुधार के लिए दीर्घकालिक उपायों की पहचान करने के लिए सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षक (ऑडिटर) की नियुक्ति की है।

*****